Media Coverage- Online training on Propagation of forestry species at TFRI Jabalpur for M.P., Chhattisgarh and Maharashtra Forest Department and other stakeholders under Bharat ka Amrut Mahotsav

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-12-22 | Page- 4
ehitavada.com

TFRI holds online training on Forestry Species

■ Staff Reporter

Dignitaries at the inauguration of daylong training on Propagation of Forestry Species at TFRI.

GENETICS and Tree Improvement (GTI) Division of Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur organised one day free online Training Program on 'Propagation of Forestry Species' under the theme of Azadi Ka Amrut Mahotsava, on Tuesday. The training aimed to train State Forest Departments personals and frontline staff, research scholars, students and other stakeholders on plant tissue culture, micro and macro propagation of important forestry species. Around 250 participants from various allied field registered and participated in the training.

Dr. Fatima Shirin, Head & Scientist-G, GTI Division informed that on demand from the Forest Departments, the training is been provided for personals from Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Maharashtra. Students from various agricultural, forestry and allied institutes and universities from all over the country like Kerela Agriculture University, Guru Ghasidas University, Bilaspur, FRI, Dehradun, AFRI Jodhpur, Manipal University etc have also registered for the program.

Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI, recommended to screen videos of the tree improvement techniques developed by the institute to give proper exposure to the participants. Neelu Singh, Group Coordinator Research, TFRI, informed about well established tissue culture laboratory and gene banks of various forestry species like teak (Tectona grandis) and black shisham (Dalbergia latifolia) in the institute. Informing about the germ plasm collection of Maida-chaal (Litsea glutinosa) by Dr. Naseer Mohammad and diverse Bamboo propagation and cultivation techniques by Dr. Shirin she invited the participants to visit the institute to experience the work in person. The formal vote of thanks of the inauguration was extended by Dr. Pramod Tiwari.

दैनिक भास्कर जबलपुर . बुधवार, 22 दिसम्बर 2021 2

प्रशिक्षण में कृषि छात्रों को दी वृक्ष सुधार तकनीकी की सीख

निज संवाददाता, जबलपुर| उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत वानिकी प्रजातियों के प्रजनन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मप्र और छग के अलावा केरल, राजस्थान आदि कृषि विवि से आए कृषि छात्रों को विशेषज्ञों ने वृक्ष सुधार तकनीकी के गुर सिखाए। कार्यक्रम में टीएफआईआर के निदेशक डॉ. जी राजेश्वर द्वारा प्रतिभागियों को उचित प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान के द्वारा किए जा रहे।

राज एक्सप्रेस | महानगर बुधवार, 22 दिसंबर 2021 www.rajexpress.co 2 जबलपुर

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वानिकी प्रजातियों के प्रजनन पर प्रशिक्षण का आयोजन

वानिकी प्रजातियों के बारे में प्रतिभागियों को मिली महत्वपूर्ण जानकारी

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई के आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार जीटीआई प्रभाग द्वारा मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वानिकी प्रजातियों के प्रजनन पर एक दिवसीय निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य के वन विभागों के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, शोधार्थियों, छात्रों और अन्य हितधारकों को महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के पादप ऊतक संवर्धन, सूक्ष्म और स्थूल प्रसार पर प्रशिक्षित करना था।

प्रशिक्षण में वानिकी एवं सम्बंधित क्षेत्र के लगभग 250 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान निदेशक डॉ.जी. राजेश्वर राव ने प्रतिभागियों को उचित प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान द्वारा विभिन्न वृक्ष सुधार तकनीकों को वीडियो

द्वारा बताने के बारे में बात कही। श्रीमती नीलू सिंहए समूह समन्वयक अनुसंधान ने संस्थान में स्थापित टिशू कल्चर प्रयोगशाला और विभिन्न वानिकी प्रजातियों जैसे सागौन और काला शीशम के जीन बैंकों के बारे में जानकारी दी। डॉ. नसीर मोहम्मद द्वारा मैदा-चाल, लिट्सिया ग्लुटिनोसा के जर्म प्लाज्म संग्रह और डॉ. शिरीन द्वारा विविध बांस प्रचार और खेती तकनीकों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत रूप से काम का अनुभव करने के लिए संस्थान का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया।

विविध यूनिवर्सिटी से शामिल हुए प्रतिभागी

आयोजन में डॉ. फातिमा शिरीन, प्रमुख एवं वैज्ञानिक जीटीआई प्रभाग ने बताया कि यह प्रशिक्षण वन विभागों द्वारा मांग पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के वन कर्मियों के लिए आयोजित किया गया है। देश के विभिन्न कृषि, वानिकी एवं अन्य सम्बंधित संस्थानों और यूनिवर्सिटीज जैसे केरल कृषि यूनिवर्सिटी, गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी बिलासपुर, एफआरआई देहरादून, एएफआरआई जोधपुर, मणिपुर यूनिवर्सिटी आदि के छात्रों ने भी कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद तिवारी द्वारा किया गया।